an>

Title: Need to take effective flood control measures in Ballia Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री भरत सिंह (बलिया) मैं केंद्र सरकार का ध्यान अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बलिया, उत्तर प्रदेश में गंगा एवं घाघरा नदियों के बाढ़ एवं कटान से पीड़ित अपने हज़ारों नागरिकों के जीवन एवं सुरक्षा की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं। मेरे संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दो जिले बलिया और गाजीपुर विगत वर्षों में आई भीषण बाढ़ एवं कटान के कारण दर्जनों गांव नदी में समा गए हैं, और उन गांव वासियों के पुनर्वास की कोई व्यवस्था न होने के कारण हज़ारों की संख्या में स्त्री-पुरूष, बच्चे एवं मवेशी सड़कों के किनारे गुजारा कर रहे हैं।

इस अत्यंत पीड़ादायक एवं मार्मिक विषय को मैं इस सदन की पिछली बैठक में उठा चुका हूँ, किन्तु आज भी समस्या यथावत बनी हुई है। मैं कहना चाहता हूँ कि जब बाढ़ का मौसम शुरू होता है, उससमय उसको रोकने की सरकारी कसरत शुरू होती है और बाढ़ आ जाने पर उसमें पत्थर के बोल्डर और बालू की बोरियां डालने का कार्य शुरू होता है। सरकारी अधिकारी और ठेकेदार धन का सदुपयोग नहीं करते और समस्या विकराल होती जाती है। बाढ़ जा चुकी है और जाड़े का मौसम शुरू हो रहा है। ऐसे संकटकालीन समय में मैं केंद्र सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि बाढ़ एवं कटान से विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास की स्थाई व्यवस्था करते हुए तात्कालिक रूप से उनकी रिहाइश की व्यवस्था की जाए एवं साथ ही कटान रोकने के स्थाई उपाय अभी से प्रारम्भ कर दी जाए जिससे भविष्य में और गांवों को कटान से बचाया जा सके।